इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4769

9 मई, 2013 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन की क्षमता

4769. डॉ. कनवर दीप सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 मार्च, 2013 की स्थिति के अनुसार देश में इस्पात उत्पादन की मौजूदा क्षमता कितनी है;

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान देश में इस्पात की मांग कितनी है;

(ग) क्या इस्पात उत्पादकों की विस्तारवादी योजनाओं पर विचार करते हुए अगले कुछ वर्षों में इस्पात उद्योग अति क्षमता की स्थिति का सामना कर सकता है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस स्थिति से निपटने के लिए प्रस्तावित कार्य योजना क्या है; और

(ड.) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क): संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) द्वारा जारी अनंतिम आंकड़े यह इंगित करते हैं कि वर्ष 2012-13 में (अर्थात 31 मार्च, 2013 की स्थितिनुसार) क्रूड स्टील की घरेलू क्षमता 96.71 मिलियन टन (एमटी) थी।

(ख) गत 5 वर्षों में देश में कुल फिनिश्ड स्टील (एलॉय + नॉन एलॉय) की वास्तविक खपत के आंकड़े नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

वर्ष	कुल फिनिश्ड स्टील की वास्तविक खपत (एमटी)
2008-09	52.35
2009-10	59.34
2010-11	66.42
2011-12	71.02
2012-13*	73.33
स्रोत: जेपीसी; *अनंतिम	

(ग) प्रमुख घरेलू इस्पात उत्पादकों की विस्तार योजनाओं पर विचार करते हुए 12वीं पंचवर्षीय योजना हेतु इस्पात उद्योग संबंधी कार्यकारी समूह की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2016-17 (योजना अवधि का अंतिम वर्ष) तक घरेलू क्रूड स्टील क्षमता के 140 एमटी होने तथा घरेलू क्रूड स्टील उत्पादन के 126 एमटी हो जाने की संभावना है जो कि 90 प्रतिशत क्षमता उपयोग को इंगित करता है।

(घ) इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार की भूमिका एक सुविधादाता होने और उपयुक्त नीतिगत वातावरण प्रदान करने तक सीमित है। सरकार ने एक सुविधादाता के रूप में पहले राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 जारी की थी जिसे कि वर्तमान में नवीनतम बनाया जा रहा है और जिसमें वर्ष 2020 तक भारतीय इस्पात उद्योग के लिए मांग पक्ष में वृद्धि को प्रोत्साहित करने हेतु व्यापक रोडमैप तैयार किया गय है। 12वीं पंचवर्षीय योजना हेतु इस्पात संबंधी कार्यकारी समूह करने का भी विजन निर्धारित किया गया है। विशेष रूप से ग्रामीण बाजार के संबंध में इस्पात की घरेलू मांग में वृद्धि करने से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए भी विभिन्न प्लेटफार्म पर कदम उठाए जा रहे हैं।

(ड.) उपरोक्त (घ) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

****